खेलत श्याम मातु सुख पावत

खेलत श्याम मातु सुख पावत

खेलत श्याम मातु सुख पावत,
तनु पीत झगुलिया कमर करधनी,
मुनि मन मोहत हियँ हर्षावत,
खेलत श्याम मातु सुख पावत-----

तुतलात कछु बोलत मधुरी,
गिरत परत उठि किलकत धावत,
खेलत श्याम मातु सुख पावत--------

बीच अधर दुई दंतुल सोहत,
लुढ़कत ठुमकत नूपुर बजावत,
खेलत श्याम मातु सुख पावत-------

मातु हरषि सिसु लेत बलैया,
गोंद उठाई उर कंठ लगावत,
खेलत श्याम मातु सुख पावत ------

जो सुख सुर मुनि सपनेहुँ दुर्लभ,
सोई सुख मैया यशोमति पावत,
खेलत श्याम मातु सुख पावत-----।।

रचना आभार : ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

Source:
https://www.bharattemples.com/khelat-shyam-maatu-sukh-pawat-tenu-peet-jhguliyan-kamar-kardhni/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw